केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 313 सोमवार 8 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पति के मौत मामले में पत्नी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सोनहा थाना क्षेत्र के बसडिलिया गांव में एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति–पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान पत्नी के धक्के से युवक अनूप कुमार का हाथ खिड़की के शीशे से टकरा गया, जिससे उसकी नस कट गई और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पत्नी अर्चना के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।
पुलिस के अनुसार, बसडिलिया गांव निवासी अशरफी लाल ने तहरीर देकर बताया कि 5 जून की रात करीब 10.30 बजे उनके पुत्र अनूप कुमार और बहू अर्चना के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान अर्चना ने अनूप को जोर से धक्का दे दिया। धक्के के कारण अनूप का दाहिना हाथ खिड़की के शीशे से टकरा गया और शीशा हाथ में घुसने से नस कट गई। परिजन गंभीर रूप से घायल अनूप को तत्काल जिला अस्पताल बस्ती ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।
पुलिस ने अशरफी लाल की तहरीर के आधार पर सोनहा थाने में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अर्चना, पत्नी अनूप कुमार, निवासी बसडिलिया को गिरफ्तार कर लिया। सीओ रुधौली कुलदीप यादव ने बताया कि मृतक की पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मुण्डेरवा चीनी मिल में मिले शव का बहन ने किया शिनाख्त

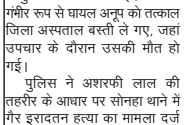

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बनकटी (बस्ती)। मुण्डेरवा चीनी मिल परिसर में एक अज्ञात शव मिला है। गार्ड श्रीराम यादव ने शव देखा, जिसके बाद उन्होंने चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक महेंद्र श्रीवास्तव को सूचना दी। प्रधान प्रबंधक ने तत्काल मुंडेरवा पुलिस को बुलाया। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। पुलिस को शव के पास एक थैला मिला, जिसमें एक नंबर था। इस नंबर पर संपर्क करने पर कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद, चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक ने एक संदीप नामक व्यक्ति के नंबर पर फोन कर शव की फोटो भेजी। पता चला कि यह नंबर सवरिया रेस्टोरेंट बस्ती का है। वहां से मिली जानकारी के आधार पर मृतक की पहचान नरहरिया टोला बस्ती निवासी अजय पुत्र सुबास के रूप में हुई। खबर फैलने और वीडियो वायरल होने के बाद, मृतक अजय की बहन आरती और उनकी मां मुंडेरवा थाने पहुंचीं। आरती ने शव की पहचान अपने भाई अजय के रूप में की।
आरती ने बताया कि उनके पिता का निधन पहले ही हो चुका था और अजय अपनी मां के साथ रहता था। वह गारा–माटी देने का काम करके घर का खर्च चलाता था। आरती ने आशंका जताई कि अजय सोने के लिए चीनी मिल परिसर में गया होगा और गिर गया होगा, जिसके बाद किसी ट्रक चालक ने उस पर गाड़ी चढ़ा दी होगी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का दावा:राम मंदिर से चढावे के करोड़ों की रकम गायब

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गये। साथ ही इसे ट्रस्ट के लिए शर्मनाक बताया है। सपा प्रमुख ने इस मामले में अदालत से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।
अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है। ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। अदालत से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।।
इससे पहले अखिलेश यादव ने बढ़ती महंगा को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई बेलगाम हो गई है। भाजपा निर्मित महंगाई से जनता त्रस्त है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 29 रुपये बढ़ाकर भाजपा सरकार ने जनता को महंगाई का एक और डोज दे दिया है। आम जनता महंगाई से कराह रही है। पिछले तीन महीने में घरेलू गैस सिलेंडर 89 रुपये महंगा हो गया है। डबल इंजन सरकार प्रदेश की जनता को दोनों हाथों से लूट रही है।
अखिलेश ने एक बयान में कहा कि कामर्शियल सिलेंडर की कीमतें हजार रुपये से ज्यादा बढ़ चुकी है। डीजल, पेट्रोल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भाजपा सरकार को गरीबों, मध्यम वर्गों और आम जनता की कोई चिंता नहीं, भाजपा सिर्फ अपने पूंजीपति मित्रों के मुनाफा और लाभ बढ़ाने की तिकड़म में जुटी रहती है। भाजपा की नीतियां गरीब विरोधी और पूंजीपरस्त हैं। भाजपा पूंजीपतियों के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि मंहगाई कम करने के भाजपा के वादों की हकीकत सामने आ गई है। भाजपा से हर वर्ग की आस टूट गई है। प्रदेश सरकार बिजली की कीमत बढ़ाती है।
सपा चीफ ने आगे कहा कि स्मार्ट मीटर लगाकर बिल बढ़ाकर लूट करती है, तो दिल्ली की सरकार डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस व अन्य चीजों के दाम बढ़ाकर जनता की जेब काट रही है। डीजल, पेट्रोल की कीमतें बढ़ने से परिवहन से लेकर खाना–पीना सब महंगा हो गया है। बेरोजगारी चरम पर है। व्यापार कारोबार सब चौपट हो रहा है। खेती का लागत मूल्य बढ़ रहा है, लेकिन भाजपा की संवेदनहीन सरकार को जनता पर थोड़ी भी तरस नहीं आ रही है।

कुवानों नदी के महादेवा घाट पर जन सहयोग से चला स्वच्छता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम से प्रेरित होकर जन सहभागिता के माध्यम से सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के कुवानों नदी के महादेवा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। पूर्व विधायक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय प्रताप जायसवाल के साथ ही बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दृष्यंत सिंह के नेतृत्व में आयोजित स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।
पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि नदियों का

-नदियों का पुर्नजीवन आवश्यक- संजय प्रताप

पुनर्जीवन हमारे पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अनिवार्य है। इस अभियान में बीडीओ सल्टौआ अनिल कुमार, विकास शर्मा भोला, मनोज सिंह, प्रशासक ग्राम पंचायत भितरी पचानू एवं प्रतिनिधि प्रशासक ग्राम पंचायत अजगौवा जंगल चंद्रशेखर जी, झब्बू लाल चौधरी, विनोद राजभर, अमरजीत सिंह, श्री राम पाण्डेय, रामरूप चौहान के साथ ही अनेक क्षेत्रीय नागरिकों ने कुंवानों के स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।

उत्कर्ष चौधरी ने बढ़ाया मानः जेईई मेन्स में 99.61 परसेंटाइल के बाद जीएडवांस्ड में मिली सफलता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शहर के खैरहवा मोहल्ला निवासी शिक्षक अजय प्रताप चौधरी व शिक्षिका कविता चौधरी के बड़े पुत्र उत्कर्ष चौधरी ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए लगातार कई बड़ी सफलताएं अर्जित की हैं। उत्कर्ष चौधरी ने पिछले महीने जारी हुए इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में 93.2 प्रतिशत अंक हासिल कर गौरव बढ़ाया था। इसके साथ ही उन्होंने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन्स में भी 99.61 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर अपनी मेधा का परिचय दिया।सफलता का यह सिलसिला यहीं नही थमा। उत्कर्ष ने 01 जून 2026 को घोषित देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शुमार जेईई एडवांस्ड (JEE Advanced) में भी शानदार सफलता प्राप्त की है।
इन्होंने हाई स्कूल तक की शिक्षा सेंट बेसिलस स्कूल बस्ती से प्राप्त किया। आईसीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित हाई स्कूल परीक्षा साल 2024 में 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया जबकि इंटर मीडिएट श्रीराम पब्लिक स्कूल बस्ती से किया।बचपन से होनहार उत्कर्ष की इस त्रिकोणीय और ऐतिहासिक सफलता से पूरे परिवार में हर्ष का माहौल है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सूचना मिलते ही उत्कर्ष के आवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। घर पहुंचकर बधाई देने वालों में मुख्य रूप से राम भरत वर्मा, गिरजा शंकर चौधरी, सुभाष चौधरी, प्रताप नारायण चौधरी, रामबचन वर्मा, ध्रुव कुमार गुप्ता, विजय चौधरी, सत्यनारायण, हरिप्रसाद मिश्रा एवं उनके साथी उपस्थित रहे। लोगों ने उत्कर्ष को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उत्कर्ष ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता के आशीर्वाद, बड़ों के मार्गदर्शन और अपनी कड़ी मेहनत को दिया है।

नरबलि की कोशिश, बेहोशी की हालत में बंधा मिला युवक, कपड़ों पर लगा था सिंदूर

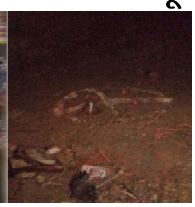

अलीगढ (आभा)। अलीगढ में युवक की नरबलि की कोशिश की गई। खंडहरनुमा मकान के अंदर से युवक को बेहोशी की हालत में बरामद किया गया है। युवक के हाथ–पैर बंधे थे। उसके पूरे कपड़ों पर सिंदूर लगा था। जिस जगह से युवक को बरामद किया गया है वहीं पास मंत्र–मंत्र का सामान भी बरामद हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।
जानकारी के अनुसार कस्बा अकराबाद के मोहल्ला पिलखना निवासी शिवकुमार उम्र 20 वर्ष पुत्र पप्पू जाटव रविवार सुबह अपने घर के सामने स्थित एक खाली खंडहरनुमा मकान में बेहोशी की हालत में मिला। युवक के हाथ–पैर बंधे हुए थे तथा उसके शरीर और कपड़ों पर सिंदूर लगा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया। मौके पर जिस तरह का सामान मिला है, उससे तंत्रमंत्र की आशंका जताई जा रही है। परिजनों के मुताबिक युवक शनिवार देर रात करीब तीन बजे शौच के लिए घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। रविवार सुबह वह उक्त हालत में मिला। अकराबाद पुलिस ने युवक को उपचार के लिए सीएचसी अकराबाद भेजा गया है। युवक फिलहाल कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं है। पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गई है।
जिस खंडहरनुमा मकान से युवक को बेहोशी की बरामद किया गया है। वहां तंत्रमंत्र की तैयारी चल रही थी। पुलिस के अनुसार घटनास्थल से रस्सी के टुकड़े, नारियल, नींबू, कलावा तथा सब्जी काटने वाला चाकू सहित तंत्र–मंत्र संबंधी सामग्री बरामद हुई है। मौके से बरामद तंत्रमंत्र का सामान सीधे नरबलि की ओर इशारा कर रहा है। लेकिन पुलिस और ग्रामीणों की तत्परता से बड़ी बनहोनी टल गई।
घर वालों ने पुलिस को बताया कि बेटा देर रात शौच के लिए घर से निकला, लेकिन वह वापस नहीं लौटा। काफी देर तक उसकी खोजबीन की। सुबह होने के बाद भी जब वह घर नहीं आया तो घर वालों को चिंता होने लगी। ग्रामीणों के साथ मिलकर उसकी खोजबीन शुरू कर दी। किसी की नजर घर के सामने खाली पड़े खंडहरनुमा मकान पर पड़ी। अंदर जाकर देखा तो सभी हैरान रह गए। कमरे का नजारा देखकर रोंगटे खड़े हो गए। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ लग गई। इसके बाद पुलिस को सूचना देकर बुलाया गया।

संविदा कर्मियों का कोड लॉक, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिये भटक रहे है लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। आरटीओ विभाग में संविदा कर्मचारियों का कोड लाक हो जाने के कारण लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिये कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। कड़ी धूप में उम्मीद लेकर आने वाले लोग निराश लौट रहे हैं। इस सम्बन्ध में ऑटो रिक्शा जन कल्याण समिति के जिला संरक्षक महेन्द्र श्रीवास्तव ने रोजमारटा कंपनी के खिलाफ कड़ा विरोध जताते हुए एक शिकायत पत्र कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक को भेजा है। समिति के जिला संरक्षक ने आरोप लगाया है कि 5 और 6 जून को बिना किसी पूर्व सूचना के बायोमैट्रिक एव स्कूटिंग केंद्र को पूर्णरूप से बंद कर दिया गया, जिससे सैकडों अभ्यर्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।
पत्र में कहा गया है कि पंजीयन चिह्न यूपी 51 बस्ती स्थित डीटीआई से कंपनी ने सभी स्टॉपों का कोड सीज कर दिया और न तो कोई नया स्टॉप भेजा गया और न ही कोई सूचना दी गई। इस लापरवाही का

-आटो रिक्शा जन कल्याण समिति के महेन्द्र ने रोजमारटा कंपनी को भेजा पत्रः मुआवजे की मांग

खामियाजा उन अभ्यर्थियों को भुगतना पड़ा जो 5 और 6 जून को राजस्व जमा कर स्लाट बुक करके आए थे। कंपनी के सारे स्टॉप नदारद थे और तालाबंद मिले। इसके कारण अभ्यर्थियों को चिलचिलाती धूप में धक्के खने पर मजबूर होना पड़ा।
शिकायत पत्र में कहा गया है कि 5 और 6 जून को कुल लगभग 500 स्लॉट बुक थे, जिनमें से किसी का भी बायमैट्रिक व स्कूटिंग नहीं हो सका। इन अभ्यर्थियों में कई लोगों के दिल्ली, बाम्बे और गुजरात के ट्रेन टिकट पहले से रिजर्व थे। कंपनी की घोर लापरवाही के चलते लगभग 500 अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा और सरकारी राजस्व को भी नुकसान पहुंचा है।
समिति ने रोज मार्टा कंपनी से मांग की है कि वह 5 व 6 जून के सभी प्रभावित अभ्यर्थियों को उनके आने–जाने का किराया, राजस्व और रद्द हुए रेल टिकट की भरपाई करे।
महेन्द्र श्रीवास्तव ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कंपनी ने समय रहते मुआवजा नहीं दिया तो ऑटो रिक्शा यूनियन जन आंदोलन और न्यायालय जाने के लिए बाध्य होगी, और इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी रोज मार्टा कंपनी की होगी।

नेचर वॉक, पर्यावरण शुद्धि यज्ञ हवन से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विश्व पर्यावरण दिवस माह के वैश्विक थीम "प्रकृति से प्रेरित जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए" के अनुरूप जनपद बस्ती में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार सुबह औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र में एक विशेष नेचर वॉक एवं पर्यावरण शुद्धि यज्ञ हवन कार्यक्रम का आयोजन कर योग पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया।
यह कार्यक्रम विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली, युवा विकास समिति बस्ती, भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति तथा इंडियन योग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ योगाचार्य गरुडध्वज पाण्डेय एवं डॉ. नवीन सिंह द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पर्यावरण शुद्धि यज्ञ हवन कराकर किया गया।
उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने एवं प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया और विश्व योग दिवस को सफल बनाने के लिए योग शिक्षकों को ब्लॉकवार दायित्व सौंपे गए। कामना पाण्डेय जिला प्रभारी महिला पतंजलि योग समिति ने महिला योग प्रशिक्षकों की सक्रिय भूमिका की योजना बताई।
कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नेचर वॉक के दौरान पौधशाला प्रभारी इन्द्रमणि यादव ने छात्र–छात्राओं, अभिभावकों एवं प्रकृति प्रेमियों को विभिन्न वनस्पतियों, औषधीय पौधों एवं जैव विविधता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पारिस्थितिकी तंत्र में प्रत्येक जीव एवं पौधे की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।
इस अवसर पर प्रतिभागियों को व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से मिट्टी की गुणवत्ता, पौधों की पहचान तथा पक्षी अवलोकन जैसी जानकारी भी दी गई। साथ ही जंगलों को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए जागरूक किया गया और 'सिंगल यूज प्लास्टिक' के बहिष्कार का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान वन क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस पहल की गई।
कार्यक्रम में पौधारोपण अभियान और पौध वितरण भी किया गया, जिसमें स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस दौरान "एक पेड़, आने वाले कल की नींव" का संदेश प्रमुखता से दिया गया।
मुख्य अतिथि प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. डी. के. गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। डॉ. शशिकला श्रीवास्तव, योगाचार्य सुभाष चन्द्र आर्य एवं नवल किशोर ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रकृति संरक्षण को मानव जीवन के लिए अनिवार्य बताया।
कार्यक्रम में कामना पाण्डेय, माधुरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रवीण त्रिपाठी, नितीश कुमार, राम मोहन पाल, हिमांशु यादव, रत्नेश मिश्र, उपेन्द्र आर्य, विश्वनाथ आर्य, गणेश आर्य, वेद कुमार आर्य, राधा देवी, कार्तिकेय, परी, वैष्णवी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।
कार्यक्रम में हर्ष देव पाण्डेय, बबिता गौतम, संजय कुमार गौतम, तूलिका, अदम्य, वेद कुमार आर्य, बबली शर्मा, आरती शर्मा, रजनी मिश्रा, किरन वर्मा राधा देवी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस प्रकार नेचर वॉक और यज्ञ हवन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश देते हुए लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बामसेफ भारत मुक्ति मोर्चा और सहयोगी संगठनों की मासिक बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। रविवार को बामसेफ भारत मुक्ति मोर्चा और सहयोगी संगठनों की मासिक बैठक रेलवे स्टेशन मार्ग स्थित एक विद्यालय के सभागार में बीएमपी के प्रदेश उपाध्यक्ष आर के गौतम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिला स्तरीय बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम के नेतृत्व में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के तैयारियों की समीक्षा, कार्यकारिणी, बूथ गठन, जिम्मेदारियों के निर्धारण, संगठन की गतिविधियों, आन्दोलन की रूप रेखा पर विचार विमर्श के साथ ही पदाधिकारियों की घोषणा की गई। बैठक में भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आर.के. आरतियन ने मनोज कुमार, को बामसेफ भारत मुक्ति मोर्चा के सहयोगी संगठन राष्ट्रीय मूल निवासी आटो रिक्शा चालक संघ का जिला संयोजक और महेंद्र कुमार को सह संयोजक का दायित्व सौंपा।

—मनोज कुमार जिला और महेन्द्र कुमार को सह संयोजक की जिम्मेदारी

बैठक में भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आर.के. आरतियन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चंद्रिका प्रसाद बीएमपी मंडल अध्यक्ष हृदय गौतम ने कहा कि संगठनों की मजबूती से ही सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक अधिकार हासिल होंगे। वक्ताओं ने अधिकारों के लिये संवैधानिक और लोकतांत्रिक ढंग से निरन्तर संघर्ष और एकजुटता पर जोर दिया। संचालन दिनेश चौधरी पूर्वांचल जोन प्रभारी प्रोट्रान और समापन डा. रिफाकत अली प्रदेश मीडिया प्रभारी राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा ने किया।
जिला स्तरीय मासिक बैठक में बुद्ध प्रिय पासवान प्रदेश अध्यक्ष भारतीय विद्यार्थी मोर्चा, नीलू निगम प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष भारतीय विद्यार्थी छात्रा प्रकोष्ठ, सरिता भारती जिला अध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा महिला विंग, राम अवतार पासवान जिला अध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा, हरिहर यादव, चंद्र प्रकाश गौतम, चंद्रावती, मनोज देवी, वीरेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, गिरजेश, एजाज खान, अनिल कुमार, खुशी, सरफराज, सुनील यादव, सलीम खान, सुग्रीव चौधरी, मोहिनी, रोहित लाल, जनाब अली, अमरनाथ आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 जून 2026 सोमवार

सम्पादकीय

जनगणना के बुनियादी प्रश्न

देश में भारत में 16 वीं जनगणना की शुरुआत हो चुकी है। यह इतिहास की पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना है, जिसे जनगणना 2027 कहा जा रहा है। इस बार नागरिक स्वयं 'सेल्फ–इन्यूमरेशन' के विकल्प के माध्यम से घर बैठे अपना विवरण भर सकते हैं। जनगणना के पहले चरण में (मकान सूचीकरण और आवास) में मकान की स्थिति, निर्माण सामग्री, और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े लगभग 33 सवाल पूछे जा रहे हैं। इसमें घर की बनावट, पानी, बिजली, शौचालय, और इंटरनेट जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली जाती है।दूसरा चरण (फरवरी 2027) में वास्तविक जनसंख्या गणना होगी इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या, शिक्षा, रोजगार, और जातिगत आंकड़े जुटाए जाएंगे।

यह परेशान करने वाली बात है कि राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में 'जनगणना 2027' के कुछ प्रगणकों को बेहद असामान्य कारणों से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन दो राज्यों में जहां जनगणना का पहला चरण दृ मकान सूचीकरण और मकान गणना (एचएलओ) – चल रहा है, प्रगणकों को "परिवारों के पास दोबारा जाने और आंकड़ों में असंगतियों को ठीक करने" और "सरकार की छवि खराब दिखा सकने वाले विकल्प नहीं चुनने" की सलाह दी गयी है। पुनर्सत्यापन किसी भी अध्ययन या सर्वेक्षण का एक जायज हिस्सा है लेकिन यह सच्चाई को सटीक ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए होना चाहिए, न कि धारणाओं को प्रबंधित करने के लिए। राजस्थान में, यह मसला जिला–स्तरीय अधिकारियों को जनगणना कार्य निदेशक के उस परिपत्र से उपजा है जो क्षेत्र के आंकड़ों (फील्ड डेटा) में चिह्नित की गयी असंगतियों से संबंधित है। जैसा कि ऊपर से दिख रहा है, इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि प्रश्नावली में उपयुक्त विकल्पों का इस्तेमाल करके आंकड़े सटीकता के साथ दर्ज किये जाएं। हालांकि, कुछ मामलों में प्रगणकों को पूर्व–धारणाओं के आधार पर आंकड़े दर्ज करने को कहा गया है। मसलन, अगर किसी परिवार के पास शौचालय नहीं है, तो प्रगणक को यह देखने को कहा गया है कि क्या नजदीक में शौचालय उपलब्ध है, जिसके आधार पर प्रविष्टि को 'खुले में शौच' से बदलकर 'शौचालय तक पहुंच रखे,' किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में, संदेश यह प्रतीत होता है कि तथ्यों को जस का तस न पेश किया जाए, जिससे एक बेहद अहम और संवेदनशील कवायद के लिए आंकड़ों की सत्यता और विश्वसनीयता के बारे में चिंता खड़ी हो रही है।

खुले में शौच के खिलाफ देश में लंबे समय से चल रहे अभियान जैसे कार्यक्रम कितने कारगर साबित हुए हैं, यह प्रकरण इसे सामने लाता है। कई राज्यों ने ठोस प्रगति की है, लेकिन यह निष्कर्ष निकालना कि समस्या खत्म हो गयी है, हकीकत से मुंह मोड़ना होगा। धन मुहैया कराने समेत प्रशासनिक उदेश्यों के लिए, शहरों और गांवों को निश्चित मानदंडों के आधार पर खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ), ओडीएफ प्लस और ओडीएफ प्लस मॉडल जैसी श्रेणियों में बांटना वाजिब है। लेकिन सबसे अहम सवाल यह है कि क्या इस तरह का वर्गीकरण हकीकत को दर्शाता है या फिर प्रगणकों के काम के साथ विरोधाभास को जन्म देता है। यह सुनिश्चित करना नीति–निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि जनगणना के आंकड़े सटीक और भरोसेमंद हों। उन्हें लोगों को सही सूचनाएं मुहैया कराने के लिए जागरूक भी बनाना होगा, क्योंकि सार्वजनिक नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं इन आंकड़ों के आधार पर बनायी जाती हैं और अंततरू उन्हें ही फायदा पहुंचाती हैं। अधिकारियों को प्रगणकों द्वारा सामना की जा रही जायज कठिनाइयों को स्वीकार करना चाहिए और उनका समाधान निकालना चाहिए। चूंकि जनगणना के महत्व को दोहराने की शायद ही कोई जरूरत है, केंद्र सरकार को दक्ष और समयबद्ध काम सुनिश्चित करने के लिए प्रगणकों के भत्ते बढ़ाने में काफी उदार होना चाहिए। उसे न केवल इसमें शामिल वित्तीय परिव्यय दृ पूरे देश के लिए लगभग 11,718 करोड़ रुपये के प्रति, बल्कि लक्षित और समावेशी नीति–निर्माण जैसे उद्देश्यों के लिए भरोसेमंद आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने की जरूरत के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। सरकार को यह साफ संदेश भेजना चाहिए कि पुनर्सत्यापन की आड़ में आंकड़ों की साफ–सफाई कतई न की जाए।

कब तक सरपंचों, पार्षदों के हक का उपयोग करते रहेंगे पति?

—डॉ. प्रियंका सौरभ—

भारत में लोकतंत्र की जड़ें केवल संसद, विधानसभा और बड़े राजनीतिक मंचों में नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और नगरों की स्थानीय संस्थाओं में भी गहराई से फैली हुई हैं। पंचायतें और नगर निकाय लोकतंत्र की वह सबसे छोटी लेकिन सबसे जीवंत इकाई हैं, जहाँ जनता अपने प्रत्यक्ष प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन में भागीदारी करती है। इन्हीं संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संविधान ने आरक्षण का प्रावधान किया, ताकि वे केवल घरेलू दायरे तक सीमित न रहें, बल्कि निर्णय–निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा सकें। लेकिन आज एक कटु सच्चाई यह है कि अनेक स्थानों पर महिला सरपंच और महिला पार्षद केवल नाम की प्रतिनिधि बनकर रह गई हैं, जबकि वास्तविक कामकाज उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य संभाल रहे हैं। यही स्थिति "सरपंच पति" और "पार्षद पति" जैसी संज्ञाओं को जन्म देती है।

यह प्रश्न केवल औपचारिकता का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ है। जब कोई महिला निर्वाचित होकर पद संभालती है, तो उसके पीछे जनता का विश्वास, संवैधानिक अधिकार और राजनीतिक हिस्सेदारी होती है। यदि उसकी जगह कोई और व्यक्ति निर्णय लेता है, बैठकों में भाग लेता है या प्रशासनिक कार्य करता है, तो यह उस जनादेश का अपमान है जिसे मतदाताओं ने दिया था। महिला प्रतिनिधि के नाम पर किसी पुरुष का सत्ता चलाना न केवल लोकतांत्रिक मर्यादा का उल्लंघन है, बल्कि यह आरक्षण नीति की मूल भावना को भी कमजोर करता है।

73वें और 74वें संविधान संशोधन ने भारत में स्थानीय स्वशासन को नया आयाम दिया। इन संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया। उद्देश्य यह था कि महिलाएं पंचायतों में केवल संख्या के रूप में न दिखें, बल्कि नेतृत्व, प्रशासन, योजना–निर्माण और नीति–क्रियान्वयन में भाग लें। इससे लाखों महिलाएं स्थानीय राजनीति में आईं, जिनमें अनेक ने असाधारण क्षमता, संवेदनशीलता और जनसंपर्क का परिचय दिया। कई महिला सरपंचों ने जल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी तरह पुरुषों से कम नहीं हैं।

फिर भी यह भी सच है कि व्यापक सामाजिक संरचना आज भी पितृसत्तात्मक है। गांवों में, विशेषकर उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों में, महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए पर्याप्त सामाजिक स्वीकृति नहीं मिलती। कई बार वे पढ़ी–लिखी होते हुए भी परंपरागत दबावों, पारिवारिक नियंत्रण और भय के कारण निर्णय लेने से बचती हैं। कुछ जगहों पर तो विवाह के बाद महिला प्रतिनिधि की राजनीतिक पहचान लगभग समाप्त हो जाती है और उसका स्थान पति ले लेता है। परिणामस्वरूप उसका संवैधानिक अधिकार कागज पर तो बना रहता है, लेकिन व्यवहार में वह अधिकार परिवार के पुरुष सदस्य के हाथ में चला जाता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

समस्या की जड़ केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और संस्थागत दोनों है। कई परिवारों में यह मानसिकता बन गई है कि महिला प्रतिनिधि का पद वास्तव में "परिवार का पद" है, जिसका संचालन पति या ससुर करेंगे। ऐसा सोचने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि निर्वाचित पद किसी परिवार को नहीं, एक व्यक्ति को मिला होता है। कानून की दृष्टि से भी पदाधिकारी वही होता है जिसे जनता ने चुना है। यदि कोई दूसरा व्यक्ति उसके नाम पर निर्णय लेने लगे, तो यह प्रतिनिधि शासन की अवधारणा के विरुद्ध है। इससे न केवल महिलाओं की स्वतंत्रता सीमित होती है, बल्कि यह भविष्य की महिला नेतृत्व पीढ़ी के लिए भी गलत संदेश देता है।

हरियाणा राज्य सूचना आयोग द्वारा इस मुद्दे पर की गई टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आयोग ने स्पष्ट कहा कि महिला सरपंचों की जगह उनके पतियों का सरकारी बैठकों या प्रशासनिक कार्यों में भाग लेना गलत है। यह कथन केवल प्रशासनिक सख्ती का संकेत नहीं है, बल्कि यह इस सच्चाई की ओर भी इशारा करता है कि महिला आरक्षण को अभी भी गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि के अधिकार किसी और को सौंपे जाने लगें, तो फिर निर्वाचन प्रक्रिया का अर्थ ही क्या रह जाता है? आयोग की टिप्पणी ने इस बहस को फिर से राष्ट्रीय विमर्श में ला दिया कि क्या हम वास्तव में महिलाओं को सत्ता दे रहे हैं, या केवल उनका नाम इस्तेमाल कर रहे हैं?

कई लोगों का तर्क होता है कि ग्रामीण महिलाएं अक्सर अशिक्षित, अनुभवहीन या सामाजिक दबाव में होती हैं, इसलिए उनके पति प्रशासनिक काम संभाल लेते हैं। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। किसी महिला की कमजोरी के कारण उसका अधिकार उससे छीन लेना न्यायसंगत नहीं हो सकता। यदि कोई महिला पढ़ी–लिखी नहीं है, तो उसे शिक्षा दी जानी चाहिए। यदि उसमें प्रशासनिक अनुभव की कमी है, तो उसे प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। यदि सामाजिक दबाव है, तो समाज और प्रशासन को उसे सुरक्षा और सहयोग देना चाहिए। समस्या का इलाज अधिकार हस्तांतरण नहीं, बल्कि अधिकार–सशक्तिकरण है।

यहीं पर राज्य और समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को कार्यप्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, कानून, ग्रामसभा संचालन, विकास योजनाओं और शिकायत निवारण की उचित जानकारी दी जाए। केवल चुनाव कराकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। यदि महिलाओं को नियमित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग मिले, तो वे आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व कर सकती हैं। कई राज्यों में महिला सरपंचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिनसे सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। इससे स्पष्ट है कि महिलाएं नेतृत्व करने में सक्षम हैं, बस उन्हें अवसर और वातावरण दोनों चाहिए।

लेकिन केवल प्रशासनिक उपाय ही पर्याप्त नहीं होंगे। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक "सरपंच पति" और "पार्षद पति" की संस्कृति बनी रहेगी। गांवों और छोटे शहरों में अक्सर राजनीतिक शक्ति को पुरुष प्रभुत्व से जोड़ा जाता है। महिला को पद मिलता है, लेकिन उसे निर्णयों में अंतिम शब्द कहने की अनुमति नहीं होती। कई बार बैठक में वह उपस्थित रहती है, पर बोलता उसका पति है। कभी–कभी अधिकारी भी महिला प्रतिनिधि की बजाय पति से संवाद करना अधिक सुविधाजनक समझते हैं। यह सुविधा लोकतंत्र के लिए हानिकारक है, क्योंकि इससे गलत प्रथा को अप्रत्यक्ष वैधता मिलती है।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। इसका मतलब है जनता की समस्याओं को समझना, प्राथमिकताओं को तय करना, संसाधनों का न्यायसंगत वितरण करना और जवाबदेही निभाना। जब महिला प्रतिनिधि की जगह कोई पुरुष यह सब करने लगता है, तो महिला की राजनीतिक पहचान क्षीण हो जाती है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव यह होता है कि समाज में यह धारणा मजबूत होती है कि महिलाएं नेतृत्व के लिए उपयुक्त नहीं हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि महिलाएं अधिक संवेदनशील, व्यावहारिक और जनहितोन्मुख नेतृत्व भी दे सकती हैं। अनेक शोध और स्थानीय अनुभव बताते हैं कि महिला नेतृत्व कई बार पारदर्शिता और सामाजिक सरोकारों को बढ़ाता है।

यह भी याद रखना चाहिए कि महिला आरक्षण किसी दया या कृपा का परिणाम नहीं है। यह ऐतिहासिक अन्याय को संतुलित करने का संवैधानिक उपाय है। सदियों तक महिलाओं को राजनीति, सार्वजनिक जीवन और संपत्ति–संबंधी निर्णयों से दूर रखा गया। उन्हें परिवार और घर की सीमाओं तक बांध दिया गया। आरक्षण उसी असमानता को कम करने का प्रयास है। इसलिए यदि आरक्षण के नाम पर पुरुष नियंत्रण जारी रहता है, तो यह ऐतिहासिक अन्याय को बनाए रखने जैसा है। वास्तव में, "सरपंच पति" की संस्कृति आरक्षण की उपलब्धि को खोखला कर देती है।

इस संदर्भ में यह भी आवश्यक है कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के साथ बैठकों में अनियार्य रूप से उन्हीं की उपस्थिति स्वीकार की जाए। प्रशासन को यह स्पष्ट नियम बनाना चाहिए कि किसी भी सरकारी कार्यवाही, बैठक, दस्तावेजी प्रक्रिया या निर्णय–निर्माण में प्रतिनिधि के स्थान पर कोई दूसरा व्यक्ति मान्य नहीं ले सकता। यह केवल अनुशासन का प्रश्न नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादा का प्रश्न है। यदि अधिकारी स्वयं इस नियम का पालन करेंगे, तो गलत परंपराएं कमजोर होंगी। साथ ही, जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए, ताकि नाममात्र की भागीदारी का चलन रुके।

महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों, नारों या प्रतीकात्मक समारोहों से नहीं आता। यह तब साकार होता है जब महिला को निर्णय लेने, बोलने, असहमति जताने और नेतृत्व करने की स्वतंत्रता मिले। यदि एक महिला सरपंच अपने गांव की योजनाओं, सड़कों, जलापूर्ति, स्कूलों और स्वच्छता पर निर्णय ले सकती है, तो वह केवल प्रतिनिधि नहीं, बल्कि परिवर्तन की वाहक बन सकती है। यह परिवर्तन तब और मजबूत होता है जब समाज उसके अधिकारों को स्वीकार करे। परिवार की भूमिका सहायक होनी चाहिए, नियंत्रक नहीं। पति सहयोगी हो सकता है, लेकिन प्रतिनिधि नहीं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधियों को केवल चुनाव जिताने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें शासन की वास्तविक प्रक्रियाओं में दक्ष बनाया जाए। पंचायतों और नगर निकायों में महिला नेतृत्व के लिए विशेष क्षमता–विकास कार्यक्रम, विधिक साक्षरता अभियान, डिजिटल प्रशिक्षण और वित्तीय प्रबंधन शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। इसके साथ–साथ समाज में लैंगिक समानता की सोच विकसित करनी होगी। स्कूलों, कॉलेजों, मीडिया और स्थानीय मंचों पर यह संदेश लगातार जाना चाहिए कि महिला नेतृत्व सामान्य बात है, अपवाद नहीं।

इस मुद्दे पर मीडिया की भी जिम्मेदारी है। जब अखबारों और समाचार चैनलों में "सरपंच पति" जैसे शब्दों का प्रयोग होता है, तो केवल एक प्रथा का वर्णन नहीं होता, बल्कि वह एक सामाजिक बीमारी को भी उजागर करता है। मीडिया को इस विषय पर सतही रिपोर्टिंग के बजाय जिम्मेदार विमर्श खड़ा करना चाहिए। उसे यह दिखाना चाहिए कि कैसे महिलाएं प्रशासन में सक्रिय हो सकती हैं, किन बाधाओं का सामना कर रही हैं, और किन नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है। इससे जनमत बनेगा और सुधार की संभावना बढ़ेगी।

अंततः यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का है। यदि निर्वाचित पदों का संचालन अनिर्वाचित लोग करने लगें, तो फिर जनता की इच्छा का क्या अर्थ रह जाता है? यदि महिला प्रतिनिधियों के अधिकार पुरुषों के हाथों में जाते रहें, तो समानता की संवैधानिक घोषणा केवल कागजी बनकर रह जाएगी। इसलिए समय आ गया है कि "सरपंच पति" और "पार्षद पति" जैसी प्रवृत्तियों पर कठोर रोक लगे। महिलाओं को केवल नाम की नहीं, वास्तविक शक्ति की भागीदारी मिले। तभी पंचायतें, नगर निकाय और स्थानीय शासन वास्तव में लोकतांत्रिक बनेंगे।लोकतंत्र का असली परीक्षण चुनाव परिणामों में नहीं, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्र कार्यक्षमता में होता है। जब महिला सरपंच अपने अधिकारों का प्रयोग स्वयं करेगी, जब महिला पार्षद अपनी बात स्वयं रखेगी, जब प्रशासन उनके साथ सीधे संवाद करेगा, तभी हम कह सकेंगे कि भारत में महिला सशक्तिकरण ने वास्तविक आकार लिया है। अन्यथा यह केवल आरक्षण की औपचारिकता रह जाएगी। इसलिए अब समय है कि समाज, प्रशासन और राजनीतिक व्यवस्था मिलकर यह सुनिश्चित करें कि महिला प्रतिनिधियों के हक का उपयोग उनके पति नहीं, स्वयं महिलाएं करें। यही संविधान की भावना है, यही लोकतंत्र की मर्यादा है, और यही सामाजिक न्याय की सच्ची दिशा भी।

क्या जन प्रतिनिधि कानून से ऊपर है?

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आचरण, मर्यादा और संस्थाओं के प्रति सम्मान की एक सतत प्रक्रिया भी है। किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति उसके संविधान, कानूनों और संस्थाओं में निहित होती है। जब जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी अपने–अपने दायित्वों का सम्मान करते हुए कार्य करते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब इन दोनों के बीच टकराव सार्वजनिक रूप से सामने आता है, तब यह केवल व्यक्तियों का विवाद नहीं रह जाता बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, प्रशासनिक स्वायत्तता और राजनीतिक संस्कृति पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर देता है। हाल ही में हरियाणा के रोहतक में इंडियन नेशनल लोकदल के विधायक अर्जुन चौटाला और पुलिस अधीक्षक गौरव राजपुरोहित के बीच हुआ विवाद इसी प्रकार की बहस को जन्म देने वाला प्रकरण बन गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और उसके बाद सामने आई प्रतिक्रियाओं ने इस घटना को केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहने दिया, बल्कि इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं और संस्थागत सम्मान के प्रश्न से जोड़ दिया है।

भारत का लोकतंत्र जनप्रतिनिधियों को जनता की आवाज उठाने का अधिकार देता है। विरोध प्रदर्शन, धरना, ज्ञापन और आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। किसी भी सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं बल्कि दायित्व भी है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनहित से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक दलों द्वारा आवाज उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र यह भी अपेक्षा करता है कि विरोध की अभिव्यक्ति शालीनता और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर हो। जब जनप्रतिनिधि स्वयं उन सीमाओं को लांघने लगते हैं जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी वे दूसरों से अपेक्षित करते हैं, तब लोकतांत्रिक संस्कृति को क्षति पहुंचती है।

रोहतक की घटना में उपलब्ध वीडियो और सार्वजनिक रिपोर्टों के आधार पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि प्रदर्शन के दौरान विधायक और पुलिस अधीक्षक के बीच तीखी बहस हुई। वीडियो में प्रयुक्त भाषा और संवाद की शैली ने व्यापक जनचर्चा को जन्म दिया। विवाद के बाद हरियाणा आईपीएस एसोसिएशन का सार्वजनिक रूप से सामने आना और पुलिस अधिकारी के समर्थन में बयान जारी करना इस मामले को और महत्वपूर्ण बना देता है। सामान्यतः प्रशासनिक संगठनों द्वारा राजनीतिक विवादों पर सार्वजनिक टिप्पणी कम ही देखने को मिलती है। ऐसे में जब एक पेशेवर संगठन अपने अधिकारी के समर्थन में खुलकर सामने आता है, तो यह संकेत देता है कि मामला केवल व्यक्तिगत असहमति तक सीमित नहीं माना जा रहा।

यह सच है कि किसी भी घटना का अंतिम मूल्यांकन तथ्यों की निष्पक्ष जांच के बाद ही होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी व्यक्ति को केवल वायरल वीडियो या सोशल मीडिया के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं माना जा सकता। किसी भी पक्ष को अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है। विधायक ने भी अपनी सफाई में कहा कि उनका उद्देश्य किसी अधिकारी का अपमान करना नहीं था और विवाद परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हुआ।

डिजिटल दोस्ती और कामकाजी दुनिया का दायरा

—नम्रता—

अब महिलाओं की दोस्तियां नई दूरियां तय कर रही हैं, जिसमें सबसे बड़ा योगदान कुछ एप्स पर सक्रिय ग्रुप्स का है। अब महिलाओं को एक–दूसरे का हालचाल जानने के लिए फोन करने या सीधे मुलाकात का इंतजार नहीं करना पड़ता। इनसे जुड़ी महिलाएं एक–दूसरे का भावनात्मक संबल बनती हैं। कई तरह के कारोबार को भी इनके जरिये अंजाम दिया जाता है। वहीं बिजनेस के लिए नेटवर्किंग हो या नयी स्किल्स की सीख– ये डिजिटल मंच उपयोगी हैं। व्हाट्सएप ग्रुप ने खासकर गृहिणियों के लिए एक भरी–पूरी दुनिया रच दी है।

महिलाओं की दोस्तियां जिन्हें कभी गली–मुहल्ले की बैठकों या रिश्तेदारियों अथवा किट्टी पार्टियों व त्योहारों तक ही सीमित माना जाता था, अब वैसा कुछ नहीं रहा। अब महिलाओं की दोस्तियां नई दूरियां तय कर रही हैं, जिसमें सबसे बड़ा योगदान व्हाट्सएप ग्रुप का है। अब महिलाओं को एक–दूसरे का हालचाल जानने के लिए फोन करने या सीधे मुलाकात का इंतजार नहीं करना पड़ता। स्मार्टफोन ने व्हाट्सएप ग्रुप की जो सुविधा दी है, उसमें शामिल हर किसी के सुख–दुख का पता चलता रहता है।

आज व्हाट्सएप ग्रुप महिलाओं की सोशल लाइफ का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं और ये रिश्ते केवल हाल–चाल जानने तक ही सीमित नहीं हैं, कई तरह की आर्थिक गतिविधियों को भी इनके जरिये अंजाम दिया जाता है। इसलिए यह सिर्फ भावनात्मक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि आर्थिक सेहत भी सुधारते हैं। हजारों

ऐसे उदाहरण हैं, जब इस तरह के व्हाट्सएप ग्रुप से महिलाओं ने हर महीने साड़ियां, सूट, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, अचार, मुरब्बा, पापड़ आदि का अच्छा–खासा कारोबार भी किया है। इसलिए महिलाओं की सोशल लाइफ के लिए व्हाट्सएप ग्रुप महत्वपूर्ण बनकर उभरे हैं।

इस डिजिटल युग में दोस्तियां केवल मिलने–जुलने तक सीमित नहीं होतीं। सुबह की शुभकामना से लेकर रात की बातचीत तक दिनभर कोई न कोई इंगेजमेंट बनी रहती है। परिवार, स्कूल फ्रेंड्स, कालोनी, ऑफिस, योगा क्लास, किट्टी ग्रुप, किचन गार्डनिंग या बुक क्लब, हर व्यक्ति के लिए अलग–अलग व्हाट्सएप ग्रुप मौजूद हैं। दिलचस्प बात ये है कि इन ग्रुप्स ने महिलाओं की दोस्ती को ही नहीं बढ़ाया बल्कि उसके स्वरूप को भी बदला है। अनेक महिलाएं आपस में भावनात्मक अनुभवों को साझा करती हैं। एक–दूसरे से सलाह लेती–देती हैं। अपनी रेसिपी दूसरों को बताती हैं और दूसरों द्वारा बतायी गई रेसिपी को आजमाने की कोशिश करती हैं। व्यक्तिगत उपलब्धियां, स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां, ये सब होता है। यानी व्हाट्सएप ग्रुप ने खासकर गृहिणियों के लिए एक भरी–पूरी दुनिया रच दी है, जो पहले उससे वंचित थीं।

संबंध यानी रिलेशनशिप विशेषज्ञों के मुताबिक डिजिटल संवाद ने किसी हद तक महिलाओं में अकेलेपन की भावना को कम किया है। हालांकि देखने में यह भी आया है कि डिजिटल इंगेजमेंट ने घर के लोगों के बीच में दूरियां बढ़ा दी हैं। लेकिन अपनी तरह की सोच व समझ रखने वाली महिलाओं के बीच जरूर महिलाओं की पहुंच बढ़ी है। भले यह वास्तविक के बजाय आभासी हो। हालांकि फेसबुक या इंस्टाग्राम जितनी व्हाट्सएप ग्रुप की दुनिया आभासी नहीं होती। क्योंकि व्हाट्सएप समूहों में 99 फीसदी एक–दूसरे को जानने वाले होते हैं। इसलिए यह पूरी तरह से आभासी या अवास्तविक नहीं है। फिर भी एक जीवंत दुनिया से कुछ कम तो है ही। लेकिन इस जुड़ाव का महिलाओं को अच्छा–खासा फायदा और कुछ थोड़े से नुकसान भी होते हैं। मसलन पहले घर और जिम्मेदारियों के बीच ज्यादातर महिलाएं खास करके गृहिणियां सामजिक रूप से अलग–थलग महसूस करती थीं, लेकिन अब वह किसी भी समय अपनी मित्र–मंडली या अपनी जैसी दूसरी महिलाओं से सामाजिक रूप से घुल–मिल सकती हैं।

नेपाल दौरे के बाद लौटे लेफ्टिनेंट जनरल, द्विपक्षीय समन्वय पर चर्चा में हुए शामिल

संवाददाता–महराजगंज। भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल संजीव चौहान रविवार को नेपाल के अपने आधिकारिक दौरे से भारत लौटे। सोनौली सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 22वीं वाहिनी के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

जानकारी के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल चौहान रविवार को अपने साथ आए अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नेपाल से सोनौली व्यापार एवं पारगमन मार्ग के माध्यम से भारत पहुंचे। सीमा के नो–मैन्स लैंड पर 22वीं वाहिनी एसएसबी की समवाय प्रभारी सहायक कमांडेंट प्रिया यादव ने उनका विधिवत स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान आवश्यक औपचारिकताओं का भी पालन किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल संजीव चौहान नेपाल के आधिकारिक दौरे पर थे। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने नेपाल के वरिष्ठ सैन्य और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों में द्विपक्षीय समन्वय, सुरक्षा सहयोग और आपसी सौहार्द को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने नेपाल में रह रहे भूतपूर्व भारतीय सैनिकों से भी भेंट की और उनके साथ विचार–विमर्श किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय एवं आधिकारिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए थे।

आधिकारिक कार्यक्रमों के समापन के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल चौहान सोनौली सीमा के रास्ते भारत लौटे और वहां से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान कर गए।

विश्व साइकिल दिवस पर 'संडे ऑन साइकिल' रेस

संवाददाता–देवरिया। रविंद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 'संडे ऑन साइकिल' रेस का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ाधिकारी अनुराग श्रीवास्तव रहे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ साइकिल चलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और नियमित खेल गतिविधियों तथा फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाती है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को फिटनेस के प्रति जागरूक करना तथा साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षक सत्येंद्र कुमार, गिरीश सिंह, शकील अहमद, दिवाकर मणि त्रिपाठी, अवधेश यादव, विजय पाल, लालू सिंह यादव, पूजा सिंह, शालिनी शर्मा और अशोक कुमार सिंह सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

जिला खेल कार्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने नियमित रूप से खेल गतिविधियों में हिस्सा लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही, ताकि खेल संस्कृति को और अधिक प्रोत्साहन मिल सके।

छत पर सो रहा था परिवार, दरवाजे का ताला तोड़ लाखों का आभूषण चोरी

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार के पिपराधन्नी में मकान का ताला तोड़ कर चोर लाखों रुपए का आभूषण व नकदी चुरा ले गए। छत पर सो रहा परिवार सुबह नीचे आया तो दरवाजे का ताला टूटा देख आवाक रह गया। घर से कुछ दूरी पर पांच बक्सों के ताले टूटे मिले, जिनमें से आभूषण निकाल लिए गए थे। पिपराधन्नी निवासी लालबहादुर मौर्य का परिवार शनिवार रात भोजन के बाद छत पर सोने चला गया। सुबह जग कर छत से नीचे पहुंचे तो दरवाजे का ताला टूटा मिला। वहीं उनके तीन पुत्रों दुर्गेश, सकलदीप व राजेश के कमरों के ताले टूटे मिले। बताया जाता है घर से कुछ दूरी पर खेत में सामान बिखरे पड़े थे। पांच बक्सों के ताला तोड़ आभूषण चुरा लिए गए थे। दुर्गेश के पत्नी के सोने के दो चेन, टीका, नथिया, झुमका, टप्स, पाजेब, दो अंगूठी, दो मंगलसूत्र, दो सिकड़ व पचास हजार नकदी चोरी चला गया। बाहर गए भाईयों के वापस लौटने पर ही उनके सामानों के बारे में पता चल पाएगा। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी हुई है।

चौबीस करोड़ की लागत से बनने वाले पुल का कृषि मंत्री ने किया शिलान्यास

संवाददाता–देवरिया। जिला के कंचनपुर बघौचघाट मार्ग को कुशीनगर के नारायनपुर कोठी को जोड़ने वाले पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। 106.88 मीटर लम्बे इस पुल का 2395.77 लाख रुपए से होगा।रविवार को बघौचघाट के बाबा भागवत दास मंदिर के समीप पुल के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व विशिष्ट अतिथि फाजिलनगर विधायक सुरेन्द्र कुमार सिंह रहे। कृषि मंत्री ने कहा कि इस पुल के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री से मिलकर आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र के लोगों की भावनाओं को समझते हुए स्वीकृति प्रदान की। यह पुल बहुत ही जल्द बन कर तैयार हो जाएगा, जिससे देवरिया जिला व कुशीनगर के सैकड़ों गांवों के लोगों, छात्र– छात्राओं को घंटों जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस पुल बाबा भगवत दास के नाम से जाना जाएगा। संचालन रविन्द्र कुशवाहा ने किया। इस दौरान प्रधान संघ के अध्यक्ष मुरारी मोहन शाही, मंडल अध्यक्ष हरीश उर्फ जीपू शाही, कुंवर राय, गोपाल राय, रामायन साहनी, विनोद सिंह कुशवाहा, ग्राम प्रधान रामविलास यादव आदि मौजूद रहे।

सपा की बैठक में मतदाता सूची सत्यापन पर जोर

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक बांस देवरिया स्थित पार्टी कार्यालय के मा. मुलायम सिंह यादव सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव मंजूर हसन ने किया। आगामी चुनावों को देखते हुए बैठक में मतदाता सूची के गहन अध्ययन और उसे त्रुटिरहित बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर मतदाता सूची के सत्यापन और संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए गए।

जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि मतदाता सूची चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। एक सशक्त और त्रुटिरहित मतदाता सूची के बिना बेहतर चुनावी प्रदर्शन संभव नहीं है। उन्होंने पार्टी संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक बूथ इकाई को सक्रिय और मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। व्यास यादव ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने और पार्टी की नीतियों को घर–घर पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने दोहराया कि समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों के सम्मान, अधिकार तथा स्वाभिमान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की गई। वक्ताओं ने महंगाई, भ्रष्टाचार और कानून–व्यवस्था जैसे मुद्दों को उठाया। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों और विचारों को जन–जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

ग्रेट निकोबार परियोजना का विरोध, कांग्रेस 8 जून से चलाएगी हस्ताक्षर अभियान

संवाददाता–देवरिया। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह परियोजना के विरोध में कांग्रेस पार्टी 8 जून से 15 जून तक हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। यह अभियान केंद्र सरकार द्वारा द्वीप की वन संपदा को कथित तौर पर कॉर्पोरेट हितों के लिए उपयोग करने के निर्णय के खिलाफ जन जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से चलाया जाएगा। इस संबंध में रविवार को टाउन हॉल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल ने की।

विजय शेखर मल्ल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विकास के नाम पर देश की प्राकृतिक संपदा और पर्यावरणीय विरासत को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता से समृद्ध ग्रेट निकोबार क्षेत्र के जंगलों को व्यापारिक हितों के लिए नष्ट करने की तैयारी की जा रही है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होगा और वहां रहने वाली आदिम जनजातियों के अस्तित्व पर भी खतरा पैदा हो सकता है।

मल्ल ने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पार्टी पर्यावरण और आदिवासी हितों की अनदेखी करने वाली नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी। वक्ताओं ने बताया कि पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर इस मुद्दे को जन–जन तक पहुंचाया जाएगा और व्यापक जनमत तैयार किया जाएगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ 8 जून को सुबह 11 बजे सुभाष चौक से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, गांव, वार्ड और ब्लॉक स्तर पर भी जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस नेताओं ने इस अभियान के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

इस बैठक में जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार तिवारी, भरत मणि त्रिपाठी, अब्दुल जब्बार, जिला प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष चंदन वर्मा, जिला महासचिव शहनाज जफर, रत्नेश मल्ल पिंटू, मनोज मणि त्रिपाठी, शिव शंकर सिंह, रामप्रवेश सिंह, विजयशंकर मिश्रा, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, विनोद त्रिपाठी, चंद्रप्रकाश चौहान, दीपक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुरुषोत्तम मास में गूंज रही शिवमहापुराण कथा महाकाल की महिमा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर परद अखिल भारतीय श्रीरामजानकी नूतन बरई चौरसिया समाज मंदिर, अम्बा जी मंदिर निकट अशर्फी भवन गोला बाजार मार्ग मंदिर के महंत रामपत दास महाराज की संयोजन में 3 जून से शिव पुराण कथा के साथ पार्थिव पूजन एवं महामृत्युंजय जाप का आयोजन चल रहा है जिसका समापन 9 जून को हवन पूजन के साथ होगा और 10 जून को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा जिसमें अयोध्या के साधु संतों के साथ देश के विभिन्न कोने से आए भक्त भी सम्मिलित होंगे। पुरुषोत्तम मास में शिवमहापुराण की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए, आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने भगवान शिव की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि शिव महापुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, भक्ति, सदाचार और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाने वाला दिव्य ज्ञान है। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण में संहार के देवता महाकाल को "सत्यं शिवम् सुन्दरम" कहकर व्याख्यायित किया गया है, जो शिव के कल्याणकारी स्वरूप का प्रतीक है। भगवान शिव अपने भक्तों की सच्ची श्रद्धा और निष्कपट भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होकर जीवन में सुख, शांति और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि वेदव्यास रचित अष्टादश पुराणों में शिव महापुराण चौथा महापुराण माना गया है, जिसमें भगवान शिव की शक्ति, भक्ति और दिव्य महिमा का अद्भुत वर्णन मिलता है। 24 हजार श्लोकों एवं आठ संहिताओं कृ विद्येश्वर, रुद्र, शतरुद्र, कोटिरुद्र, उमा, कैलाश तथा वायवीय संहिता कृ से युक्त यह ग्रंथ मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। इसमें महादेव के विभिन्न अवतारों, ज्योतिर्लिंगों और उनके संपूर्ण जीवन चरित्र पर विस्तृत प्रकाश डाला गया है।राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने कहा कि संध्याकाल शिव का विशेष समय माना गया है। इस समय भगवान शिव अपनी तीसरी नेत्र से तीनों लोकों का अवलोकन करते हुए नंदी गणों के साथ विचरण करते हैं। इसलिए इस समय कटु वचन, अनैतिक कार्य, कलह–क्लेश, भोजन, सहवास तथा अनावश्यक यात्राओं से बचना चाहिए। उन्होंने निष्काम भाव को जीवन का सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों का साक्षी है, इसलिए उसे सदैव मन, वचन और कर्म से पाप कर्मों से दूर रहना चाहिए।कथावाचक ने मोह और आसक्ति को दुखों का मूल कारण बताते हुए कहा कि व्यक्ति को शोक, मोह और अहंकार का त्याग कर भक्ति, साधना और आत्मचिंतन के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि राग, द्वेष, वैमनस्य और हिंसा जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य को पशुता की ओर ले जाती हैं, जबकि भक्ति और साधना उसे श्रेष्ठ मानव बनाती हैं। धन के विषय में उन्होंने कहा कि धन अर्जन सदैव धर्मसम्मत मार्ग से होना चाहिए तथा अर्जित धन का एक भाग उपभोग, दूसरा धर्म–कर्म और तीसरा भविष्य के लिए सुरक्षित रखना चाहिए। इस अवसर पर अयोध्या दास, सुरेन्द्र दास , कामता शरण , प्रमोद चौरसिया, स्वामीदयाल , राकेश चौरसिया एडवोकेट, डा. परितोष चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, विजय चौरसिया, अस्मिता चौरसिया, मनोज कुमार, नन्दकिशोर चौरसिया, अमरनाथ, मनोज वर्मा तथा कन्हैया चौरसिया सहित उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल एवं समस्त भारत के चौरसिया समाज के लोग अनुष्ठान में भाग ले रहे हैं।

शिवमहापुराण की कथा भक्ति और सदाचार का मार्ग है–आचार्य राधेश्याम शास्त्री

बदमाश की पुलिस से मुठभेड़, 25 हजार का इनामी घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। 25 हजार के एक बदमाश से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी के पास से तमंचा और कारतूस तथा बाइक बरामद किया गया है। कोतवाली भिनगा के लौकीपुरवा निवासी ननके पुत्र रुस्तम पर कोतवाली भिनगा में विभिन्न गंभीर धाराओं में तीन मुकदमें दर्ज हैं। इसलिए पुलिस ने ननके पर 25 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया था। शनिवार की रात थाना सोनवा एवं थाना कोतवाली भिनगा पुलिस की संयुक्त टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि अवैध असलहों की सप्लाई करने वाला शातिर अपराधी ननके पुत्र रुस्तम मोटरसाइकिल से नेवरिया मार्ग होते हुए आने वाला है।

सूचना पर पुलिस टीम ने गिलौता मुख्य मार्ग एवं नेवरिया के मध्य स्थित पुलिया के पास घेराबंदी कर चेकिंग प्रारम्भ की गई। कुछ देर बाद एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे रुकने का संकेत किया। लेकिन पुलिस टीम को देख कर भागने लगा और पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। इससे एक गोली बदमाश के दाहिने पैर में लगी। इससे घायल होकर गिर गया और गिरफ्तार कर लिया गया। घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार के लिए सीएचसी सोनवा भेजा गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर किया गया।घायल बदमाश पर कोतवाली भिनगा में तीन अलग अलग गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज था। बदमाश के पास से पुलिस ने एक तमंचा, दो खोखा कारतूस,एक जिंदा कारतूस, एक बाइक, एक मोबाइल व 1200 रुपए नकद बरामद किया है। मुठभेड़ करने वाली टीम में थानाध्यक्ष सोनवा विसुनदेव पाण्डेय,कोतवाली निरीक्षक राज प्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक जितेन्द्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर कृषि मंत्री ने की खनुआ नदी की सफाई

संवाददाता–देवरिया। केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को स्वच्छता अभियान की शुरुआत किया। इसके तहत उन्हों ने कार्यकर्ताओं के साथ खनुआ नदी की सफाई की। यह अभियान सोमवार को भी जारी रहेगा। सफाई अभियान की शुरुआत सुनह 6 बजे पकहा घाट से हुई। यह अभियान दिन में दस बजे चला। पकहा घाट से लेकर त्रिभुज महाराज मंदिर के समीप तक नदी की सफाई लगातार चलती रही। कार्यकर्ताओं के साथ खुद कृषि मंत्री ने नदी में उतरकर सफाई की। इस दौरान कृषि मंत्री ने कहा की नदियों से हम सभी का जीवन जुड़ा है। नदियों की सफाई से ही हमें स्वच्छ जल मिल सकता है। पर्यावरण स्वच्छ हो सकता है। आज बार–बार कृत्रिम खाद खेतों में उपयोग होने से नदियाँ दूषित हो रही है। इसलिए हमने एक अभियान चला कर क्षेत्र की नदियों का सफाई का संकल्प लिया है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर हम सभी स्वच्छ नदी का संकल्प लिया है। सोमवार को सुबह कंचनपुर के समीप नदी की सफाई की जाएगी। कृषि मंत्री ने पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए नदी के किनारे पीपल, आम, जामुन के पौधे लगाए। सफाई के दौरान 26वीं बीएससी वाहिनी गोरखपुर एसडीआरएफ टीम भी मौजूद रही। अभियान मंडल अध्यक्ष हरीश उर्फ जीपू शाही, ग्राम प्रशासक संघ के अध्यक्ष मुरारी मोहन, जिला उपाध्यक्ष अजय शाही, जुगुल किशोर तिवारी, रामाधन साहनी, नवीन शाही, रविन्द्र कुशवाहा, विनोद कुशवा, गोपाल राय, राजिंदर यादव, कुंवर राय, महिवाल जायसवाल, पिंटू सरकार, ध्रुव शाही, भगवान तिवारी, भीम यादव,रमेश कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में चला चाकू, पिता–पुत्र घायल

संवाददाता–देवरिया। कोतवाली क्षेत्र के जमुआ नंवर दो गांव में रविवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस बीच हुई चाकूबाजी में पिता–पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। बीच– बचाव करने पहुंचा एक युवक भी घायल हो गया। घायलों का देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।कोतवाली क्षेत्र के जमुआ नम्बर दो गांव में भूमि विवाद व पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और मारपीट होने लगी। इसी दौरान एक पक्ष के लोगों ने चाकू से हमला कर दिया।

हमले में आजाद (48) पुत्र मनरुद्दीन एवं उनका बेटा शेर खान (15) पुत्र आजाद घायल हो गए। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह बीच–बचाव कराया। बीच –बचाव कर रहे गांव के ही शहजाद अहमद भी घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर भेजवाया, जहां डॉक्टर ने आजाद व उनके बेटे शेर खान की हालत गंभीर देख देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

घरेलू गैस सिलेंडर मूल्य वृद्धि पर सपा का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में हुई बढ़ोतरी के विरोध में रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। बरहज विधानसभा क्षेत्र में सपा नेता विजय रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर और थाली लेकर विरोध जताया। यह प्रदर्शन बरहज–देवरिया पैना बाईपास पर आयोजित किया गया। इस दौरान सपा नेता विजय रावत ने केंद्र सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़े हैं। रावत ने बताया कि हाल ही में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की वृद्धि की गई है। पिछले तीन महीनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कुल 89 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी है, जिससे आम परिवारों का बजट प्रभावित हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि एक समय घरेलू गैस सिलेंडर लगभग 400 रुपये में उपलब्ध था, लेकिन अब इसकी कीमत एक हजार रुपये के आसपास पहुंच गई है। उन्होंने सरकार से जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

सपा नेता ने आरोप लगाया कि महंगाई का असर किसान, व्यापारी, छात्र, नौजवान और आम नागरिक सभी पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई और रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों में लगातार हो रही वृद्धि से जनता परेशान है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर लेकर और थाली बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस मौके पर विकास यादव, संजय तिवारी, वीरेंद्र यादव, अखिलेश कुमार, सूरज सिंह, अनिल सिंह, राकेश मौर्य, राहुल यादव, अनुरुद्ध कुशवाहा, शैलेश सिंह, विकास मल्ल सहित अन्य सपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने घरेलू गैस की कीमतों में वृद्धि वापस लेने और महंगाई पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

बाग में फंदे से लटका मिला युवक का शव

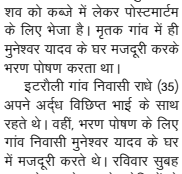

संवाददाता–श्रावस्ती। रविवार सुबह सोनवा थाना क्षेत्र के इटरौली गांव के निकट बाग में एक युवक का शव लटकता मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक गांव में ही मुनेश्वर यादव के घर मजदूरी करके भरण पोषण करता था।

इटरौली गांव निवासी राधे (35) अपने अर्द्ध विछिप्त भाई के साथ रहते थे। वहीं, भरण पोषण के लिए गांव निवासी मुनेश्वर यादव के घर में मजदूरी करते थे। रविवार सुबह वह मुनेश्वर के घर से मवेशियों के लिए चारा काटने के लिए खेत गए थे। इसके बाद वह नहीं लौटे।

गांव के लोग जब अपने–अपने काम के लिए खेत की ओर गए तो लोगों ने देखा कि मुनेश्वर के बाग में एक गूलर के पेड़ से गमछे के सहारे राधे का शव लटक रहा है। घटना की सूचना चारो तरफ जंगल के आग की तरह फैल गई। कुछ ही देर में आसपास के ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए।

थानाध्यक्ष बिसुनदेव पांडेय, चंदरखा बुजुर्ग पुलिस चौके के प्रभारी रामसजीवन निषाद के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ आलोक कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिवार में और कोई व्यक्ति नहीं है। इसलिए चौकीदार दिनेश की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जा सकेगी।

सामान्य वर्ग के अधिकारों की अनदेखी हो रही –अलंकार अग्निहोत्री

संवाददाता–गोण्डा। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं निलंबित पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री रविवार को एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचे। यहां पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद एक निजी होटल में आयोजित बैठक में उन्होंने संगठन विस्तार, आगामी पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। बैठक में अलंकार अग्निहोत्री ने कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा आगामी चुनावों में मजबूती से भागीदारी करेगा और सामान्य वर्ग के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि सामान्य वर्ग को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है और उसके अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, रोटी, कपड़ा, मकान और व्यक्तिगत सुरक्षा जैसे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। अलंकार अग्निहोत्री ने यूजीसी रेगुलेशन–2026 के विरोध को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न संगठनों और समूहों के साथ प्रदर्शन की अनुमति को लेकर अलग–अलग मानक अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी नागरिकों और संगठनों को समान अवसर मिलने चाहिए। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष ने देश की आर्थिक स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने विदेशी मुद्रा भंडार, महंगाई, पेट्रोल–डीजल की कीमतों और आयात–निर्यात से जुड़े मुद्दों पर सरकार की नीतियों की आलोचना की। साथ ही दावा किया कि आर्थिक मोर्चे पर कई चुनौतियां सामने हैं, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता से जुड़े मूल मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में सामाजिक विभाजन की राजनीति से बचते हुए सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की जरूरत है। अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों में बड़ी संख्या में उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि यदि भविष्य में किसी दल के साथ गठबंधन की स्थिति बनती है तो सीटों के बंटवारे पर निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, अलंकार अग्निहोत्री द्वारा लगाए गए आरोपों और दावों पर संबंधित पक्षों की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

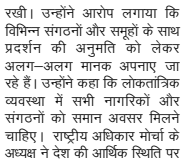

सभासद और नगर पंचायत के जेसीबी चालक के बीच विवाद, एक–दूसरे पर हत्या के प्रयास का आरोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। नगर पंचायत धर्मसिंहवा में एक सभासद और नगर पंचायत के जेसीबी चालक कर्मी के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। इस घटना के बाद थाने पर काफी गहमागहमी देखी गई। जेसीबी चालक अहमद रजा, जो वार्ड सेवाइचपार के निवासी हैं, ने आरोप लगाया कि वह वार्ड नंबर–10 में नाला निर्माण के लिए खुदाई कर रहे थे। दिन में करीब 11 बजे वार्ड के सभासद शशिकपूर राय कुछ अज्ञात लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और उनके साथ गाली–गलौज करने लगे। अहमद रजा के अनुसार, जब उन्होंने जेसीबी बंद करके नीचे उतरने का प्रयास किया, तो सभासद और उनके साथियों ने डंडे से उनकी पिटाई की। किसी तरह वह जेसीबी लेकर कार्यालय वापस आ रहे थे, तभी सरकारी वाहन पर हमला कर उसे भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। दूसरी ओर, सभासद शशिकपूर राय ने पुलिस को दी अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि चेयरमैन की लोकायुक्त से विभागीय जांच उनके द्वारा कराई जा रही है, जिसके कारण चेयरमैन उनसे नाराज हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को महदेवा नानकार से बरगदवा माफी आते समय जेसीबी चालक अहमद रजा ने तेज गति से जेसीबी उन पर चढ़ाने का प्रयास किया, जिससे वह बाइक समेत खेत में गिर गए।

सभासद राय ने आगे आरोप लगाया कि जब वह तहरीर लेकर थाने आ रहे थे, तो गौरीगढ़ में चेयरमैन वसीउद्दीन और उनके पिता नजमुद्दीन ने लगभग तीस कर्मचारियों के साथ उन्हें रास्ते में घेर लिया और जान से मारने की धमकी दी। इस विवाद के बाद नगर पंचायत के कर्मचारी क्षतिग्रस्त जेसीबी लेकर थाने पहुंचे। थाने पर दोनों पक्षों के आरोप–प्रत्यारोप को लेकर काफी गहमागहमी बनी रही। एसओ सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों से विवाद के संबंध में तहरीर मिली है। प्रकरण की जांच के बाद ही सही तथ्यों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। नगर पंचायत कर्मचारियों ने सभासद पर लगाए जातिसूचक टिप्पणी के आरोप रू नगर पंचायत धर्मसिंहवा के कर्मचारियों ने सभासद पर गंभीर आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। आरोप है कि कार्यालय में आने पर अक्सर कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हैं तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करते हैं। तहरीर में कहा गया है कि नगर पंचायत कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों को वार्ड संख्या–10 में कार्य करने के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कर्मचारियों का आरोप है कि संबंधित सभासद द्वारा कर्मचारियों को गाली–गलौज करने के साथ ही मारपीट की धमकी भी दी जाती है, जिससे सरकारी कार्य प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में नगर पंचायत कर्मचारी अकरम, मोहम्मद हुसैन, रामानुज राव, मिठाई लाल, संदीप राव, याकूब, नूरुद्दीन, आफताब आलम सहित अन्य कर्मचारियों ने हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

महिला थाना की पहल, 10 परिवार फिर हुए एक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। रविवार को महिला थाना परिसर में हुई काउंसलिंग के बाद पारिवारिक कलह और आपसी मनमुटाव के कारण अलग रह रहे 10 दंपतियों ने अपने मतभेद भुलाकर एक साथ रहने का फैसला किया। इस पहल के बाद सभी जोड़ों को उनके परिवारों के साथ विदा किया गया, जिससे उनके जीवन में खुशियां लौट आईं। ये 10 परिवार घरेलू विवादों के कारण टूटने की कगार पर पहुंच गए थे। पति–पत्नी के बीच बढ़ती दूरियों ने रिश्तों में खटास पैदा कर दी थी। मामला महिला थाना पहुंचने पर दोनों पक्षों को बुलाया गया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। बातचीत और समझाइश के कई दौर चले, जिसके बाद पति–पत्नी अपने पुराने गिले–शिकवे भूलकर एक बार फिर साथ रहने के लिए तैयार हो गए। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय ने बताया कि छोटी–छोटी गलतफहमियां और संवादहीनता अक्सर बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं। पाण्डेय ने आगे कहा कि समय पर बातचीत और समझदारी से ऐसे विवादों का समाधान संभव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिवारों को टूटने से बचाना और रिश्तों में विश्वास बहाल करना समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस दौरान महिला हेड कांस्टेबल आशा गौड़, महिला हेड कांस्टेबल रीना रावत, महिला आरक्षी प्रियंवदा सिंह, महिला आरक्षी शिवानी खरवार तथा महिला आरक्षी शिवानी सिंह ने इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के प्रयासों से इन 10 परिवारों के बीच बनी दूरियां समाप्त हुईं। रविवार को एक साथ 10 परिवारों का पुनर्मिलन होने से महिला थाना परिसर का माहौल भावुक और खुशी भरा रहा। परिजनों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश बताया। कई दंपतियों ने भविष्य में आपसी संवाद बनाए रखने और छोटे विवादों को बड़ा रूप न देने का संकल्प लिया।

सरयू कटान पीड़ित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। हैसर क्षेत्र में सरयू नदी की कटान से विस्थापित हुए ग्रामीणों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर रविवार को जिगिना गांव में प्रदर्शन किया। उन्होंने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर जल्द से जल्द सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। यह परिवार चार वर्ष पूर्व सरयू नदी की कटान में उजड़ गए थे। हैसर क्षेत्र के गायघाट दक्षिणी गांव के 38 परिवारों के मकान वर्ष 2022–23 की भीषण बाढ़ और कटान में नदी में समा गए थे। इसके बाद प्रशासन ने इन सभी प्रभावित परिवारों को विस्थापित कर जिगिना गांव स्थित सार्वजनिक भूमि पर आवासीय पट्टा देकर बसाया था।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुनर्वास के बाद भी शासन–प्रशासन ने बुनियादी सुविधाओं को लेकर कोई सुध नहीं ली। विस्थापित परिवारों को अब तक आवास, शौचालय, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। इससे उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

किसान से विश्वासघात, हाथ पर चेक रखकर बनाया वीडियो, तीन बीघा जमीन का धोखे से बैनामा

संवाददाता–अंबेडकरनगर। सयानों ने विश्वासघात कर वृद्ध किसान की तीन बीघा भूमि का बैनामा करा लिया और पैसा भी नहीं दिया। मीटी पुलिस ने डीआईजी के आदेश पर तीन नामजद व तीन अज्ञात समेत छह लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। महरुआ के गांव जलालपुर सेहरा के सूर्यनरायन चौबे अनपढ़ व मंदबुद्धि किसान हैं। महरुआ के एक व मीटी के दो तथा तीन अज्ञात समेत छह लोगों ने पीड़ित को पैसों का लालच देकर 36 लाख रुपए प्रति बीघा के रेट से उससे एक बीघा का सौदा किया और विश्वासघात कर उसकी तीन बीघा भूमि का बैनामा दो माह पहले करा लिया। रेट के अनुसार भूमि की कीमत एक करोड़ आठ लाख रुपए बनती है। भूमि के एवज में आरोपितों ने उसके इण्डियन ओवरसीज बैंक के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से पांच लाख रुपया भेजा और 30 हजार रुपया नगद दिया। इसके बाद लोन जमा करने का झांसा देकर तीन लाख रुपया पीड़ित से ले लिया, लेकिन अभी तक लोन जमा हुआ न पैसा ही दिया गया। आरोपितों ने दस्तावेज में आठ लाख, पांच लाख, आठ लाख तथा चार लाख के चेक के माध्यम से पीड़ित को भुगतान दर्शाया गया। पीड़ित के मुताबिक उक्त सभी चेक फर्जी हैं। साथ ही उसका बैंक पासबुक भी ले लिया। आरोपितों ने फिल्मी इस्टाइल में हाथ पर एक चेक रख कर फोटो व वीडियो बनाकर उक्त चेक भी ले लिया। असलियत की जानकारी होने पर पीड़ित ने एसपी से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नही हुई। आहत किसान डीआईजी के समक्ष पेश हुआ। डीआईजी ने मीटी पुलिस को कार्रवाई का आदेश दिया। पुलिस ने आरोपितों महरुआ के मुकुन्दीपुर गांव के विकास सिंह, भीटी के खजुरी के अनुराग तथा बेला गांव के राजेश कुमार सिंह व तीन अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

युवती को भगाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद पुलिस ने शादी का झांसा देकर एक युवती को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अपहृत युवती को भी सकुशल बरामद कर लिया है। क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। अभियुक्त शिवम उर्फ एवांक पुत्र राकेश, निवासी पढोकर, थाना कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संतकबीरनगर को सरैया बाईपास के पास से गिरफ्तार किया गया। यह मामला वादिनी द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद में दर्ज कराई गई शिकायत से संबंधित है। वादिनी ने आरोप लगाया था कि उक्त अभियुक्त उनकी पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला–फुसलाकर भगा ले गया था। इस संबंध में 5 जून 2026 को एक अभियोग पंजीकृत किया गया था। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने महिला अपराध की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए त्वरित कार्रवाई की। साक्ष्य संकलन के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। साथ ही, अपहृत युवती को भी बरामद कर लिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामअवध यादव, हेड कांस्टेबल सुशील कुमार, कांस्टेबल प्रशांत विक्रम सिंह और महिला कांस्टेबल प्रतीक्षा यादव शामिल थे।

पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने के लिए दिए निर्देश

संवाददाता–संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा–2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का व्यापक जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखने तथा परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए गहन समीक्षा की। संबंधित प्रभारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों के आसपास कड़े सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। अभ्यर्थियों के प्रवेश और निकास के समय किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या भीड़भाड़ से बचने के लिए सुव्यवस्थित लाइनिंग और बैरिकेडिंग प्रबंधन की समीक्षा की गई।

परीक्षा कक्षों, लॉबी और मुख्य द्वारों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता को भी परखा गया, ताकि पूरी परीक्षा प्रक्रिया की कड़ी निगरानी की जा सके। इसके अतिरिक्त, अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए केंद्रों पर पेयजल, प्रकाश, शौचालय तथा बैठने की समुचित व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूरी तरह से नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि अफवाह फैलाने वाले या शुचिता भंग करने का प्रयास करने वाले शरारती तत्वों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश पाण्डेय, परीक्षा केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीकर्मचारीगण मौजूद रहे।

बिहार के फर्जी आईएएस और उसके तीन साथियों पर गैंगस्टर

संवाददाता–गोरखपुर। सरकारी टेंडर, ठेका और अन्य सरकारी कार्य दिलाने का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले बिहार निवासी फर्जी आईएएस के गिरोह के खिलाफ गुलरिहा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गिरोह के सरगना समेत चार आरोपितों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। मौजूदा समय में चारों आरोपी जेल में हैं। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि वर्ष 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान एक व्यापारी के पास से करीब एक करोड़ रुपये बरामद होने के बाद इस संगठित गिरोह का खुलासा हुआ था। मामले में दर्ज मुकदमे की जांच के दौरान सामने आया कि गिरोह के सदस्य खुद को आईएएस अधिकारी और उनके स्टाफ के रूप में प्रस्तुत कर लोगों को सरकारी ठेके, टेंडर और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देते थे। गुलरिहा पुलिस ने 10 दिसंबर 2025 को बिहार के सीतामढ़ी निवासी ललित किशोर,अभिषेक कुमार तथा गोरखपुर निवासी परमानंद गुप्ता को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के कब्जे से 4.15 लाख रुपये नकद, लाखों रुपये मूल्य के सोने–चांदी के आभूषण, फर्जी आईडी कार्ड, कूटरचित दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई थी।

जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना ललित किशोर स्वयं को 'गौरव कुमार सिंह' नामक आईएएस अधिकारी बताता था। उसका साला अभिषेक कुमार खुद को आईएएस का स्टेनो और परमानंद गुप्ता गनर के रूप में प्रस्तुत करता था। तीनों मिलकर लोगों का विश्वास जीतते थे और फिर उनसे मोटी रकम ऐंठ लेते थे। एसपी सिटी ने बताया कि यह गिरोह आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी इस्तेमाल करता था। आरोपित फर्जी व्हाट्सएप चौट, नकली पत्राचार, कूटरचित दस्तावेज और फर्जी पहचान पत्र तैयार कर लोगों को भ्रमित करते थे। ठगी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से इधर–उधर भेजकर उसकी वास्तविक स्रोत को छिपाने का प्रयास किया था।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि गिरोह द्वारा अवैध रूप से अर्जित धन को अचल संपत्तियों में निवेश किया जा रहा था। गिरोह से जुड़े चौथे साथी रामनयन गुप्ता के नाम पर 100 डिसमिल से अधिक जमीन की रजिस्ट्री कराई गई है, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। जालसाजी से प्राप्त रकम सीधे काश्तकारों के खातों में भेजी जाती थी और जमीन का बैनामा रामनयन गुप्ता के नाम कराया जाता था। इस मामले में रामनयन गुप्ता को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रभारी निरीक्षक जेपी पाल ने बताया कि गैंग लीडर ललित किशोर उर्फ गौरव निवासी सीतामढ़ी (बिहार) तथा सदस्य के रूप में उसका साला अभिषेक कुमार निवासी रीगा (सीतामढ़ी), जबकि अन्य सदस्य परमानंद गुप्ता निवासी संतोषनगर लच्छीपुर (गोरखपुर) तथा रामनयन गुप्ता निवासी फरेंदा (महराजगंज) के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच में यह भी पता चला कि फर्जी आईएएस बनकर ललित किशोर उर्फ गौरव गोरखपुर के कई स्कूलों में निरीक्षण और जांच के नाम पर पहुंच चुका था। अधिकारी जैसी वेशभूषा, सुरक्षा कर्मी और स्टाफ का दिखावा कर वह लोगों को आसानी से प्रभावित कर लेता था। उसके पड़ोसियों को भी विश्वास हो चुका था कि वह आईएएस है।

संगठित अपराध और धोखाधड़ी में शामिल गिरोह के चार सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। मामले में आगे की विवेचना और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है। इनके सम्पत्ति का भी ब्योरा जुटाया जा रहा है जब्ती की भी रिपोर्ट भेजी जाएगी।

गिराया गया ब्रिटिश काल में बना जूनियर हाईस्कूल सेमरियावां का भवन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के जूनियर हाईस्कूल सेमरियावां में मजदूर ब्रिटिश काल के जर्जर भवन को गिरा दिया गया। उस पर लगे कबेलू (पकी मिट्टी की टाइल) को जब हथौड़े की चोटों से ढहा रहे थे, तब केवल एक भवन नहीं टूट रहा था, बल्कि उससे जुड़े साथ कई पीढ़ियों की यादें भी मलबे में तब्दील हो रही थीं। वर्ष 1931 में ब्रिटिश सरकार द्वारा निर्मित यह ऐतिहासिक भवन 95 वर्षों तक क्षेत्र में शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा। जर्जर हो चुके इस भवन का अब ध्वस्तीकरण करा दिया गया। 1931 में ब्रिटिश सरकार ने सेमरियवां में बालक एवं बालिका का अलग–अलग विद्यालय भवन का निर्माण कराया था। उस दौर में यह विद्यालय शिक्षा का बड़ा केन्द्र हुआ करता था। सैकड़ों गांव के बच्चे शिक्षा लेते थे। यह भवन हजारों विद्यार्थियों के बचपन के सपनों व संघर्षों का गवाह रहा है। विद्यालय के बरामदों, खिड़कियों व कक्षाओं से न जाने कितनी पीढ़ियों की हंसी, शरारतें व सीख जुड़ी थीं। ग्रामीणों के अनुसार यह भवन क्षेत्र की शैक्षिक पहचान और ऐतिहासिक धरोहर था। समय के साथ इसकी दीवारें कमजोर हो गई थीं। सुरक्षा की दृष्टि से ध्वस्तीकरण जरूरी हो गया था। हालांकि पुरानी इमारत के खत्म होने का दुख है। यहीं सीखा था पहला ककहराभवन के ध्वस्तीकरण की सूचना मिलते ही कई पूर्व छात्र विद्यालय पहुंच गए। मलबे को दिखते हुए कई लोगों ने अपने जीवन की घटनाएं आपस में चर्चा करने में जुट गए। किसी ने अपनी पहली कक्षा को याद किया तो किसी ने उन शिक्षकों को, जिन्होंने उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की सीख दी थी। टूटती दीवारों को देखकर कई लोगों की आंखें नम हो गईं। पूर्व छात्रों का कहना था कि यह सिर्फ एक स्कूल नहीं, बल्कि उनके बचपन, दोस्ती और संघर्षों की अनमोल यादों का घर था। एक इमारत नहीं, कई पीढ़ियों की भावनाएं ढहींकरीब 95 वर्षों तक यह विद्यालय भवन क्षेत्र के हजारों परिवारों से जुड़ा रहा। गांव के बुजुर्गों से लेकर वर्तमान पीढ़ी तक, हर किसी की कोई न कोई स्मृति इस भवन से जुड़ी है। किसी ने यहीं से शिक्षा की शुरुआत की तो किसी ने अपने बच्चों को इसी विद्यालय में पढ़ते देखा। भवन के जमींदोज होने के साथ ही क्षेत्र के लोगों ने अपनी शैक्षिक विरासत के एक महत्वपूर्ण अध्याय को विदाई दी। इस विद्यालय ने दिए नामचीन चेहरेजूनियर हाईस्कूल सेमरियावां केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं था, बल्कि प्रतिभाओं की नर्सरी रहा है। इस विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अनेक छात्र देश–विदेश में ऊंचे पदों तक पहुंचे। विद्यालय के पूर्व छात्रों में आईएएस अधिकारी अब्दुल खालिक और फुरकान अख्तर, पूर्व विधायक अफसर–उल–अहमद, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मोहम्मद नाजिम खां, बसपा के पूर्व प्रत्याशी एवं सपा जिलाध्यक्ष मशहूर आलम चौधरी तथा सऊदी अरब की प्रसिद्ध तेल कंपनी साउदी के आरमको में प्रबंधकीय पद पर कार्यरत अजीजुर्रहमान शामिल हैं। इसके अलावा इस विद्यालय ने दर्जनों प्रधानाचार्य, डॉक्टर, इंजीनियर, हजारों शिक्षक, जनप्रतिनिधि और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व करने वाले व्यक्तित्व दिए हैं। क्षेत्र के लोग इसे प्रतिभाओं को तराशने वाली ऐतिहासिक पाठशाला के रूप में याद करते हैं। 25 किलोमीटर दूर से पढ़ने आते थे छात्रजूनियर हाईस्कूल सेमरियावां अपने समय में क्षेत्र का प्रमुख शैक्षणिक केंद्र था। शिक्षा की बेहतर व्यवस्था होने के कारण आसपास के ही नहीं, बल्कि 20 से 25 किलोमीटर दूर स्थित गांवों से भी छात्र यहां पढ़ने आते थे। उस दौर में आवागमन के सीमित साधनों के बावजूद बच्चे पैदल, साइकिल और बैलगाड़ी से विद्यालय पहुंचते थे। क्षेत्र के सैकड़ों गांवों के विद्यार्थियों ने इसी विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य की नींव रखी। ग्रामीणों का कहना है कि यह विद्यालय केवल एक स्कूल नहीं, बल्कि पूरे इलाके में शिक्षा की अलख जगाने वाला संस्थान था, जिसने कई पीढ़ियों को शिक्षित कर समाज को नई दिशा दी।

डिलीवरी के दौरान महिला की मौत, सीएचसी पर 6 घंटे हंगामा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के चौरी चौरा सीएचसी पर रविवार सुबह प्रेग्नेंट महिला की डिलीवरी के दौरान मौत हो गई। मरने से पहले महिला ने लड़के को जन्म दिया। महिला की मौत से नाराज परिजन सीएचसी का घेराव कर हंगामा करने लगे। जिसके बाद चौरी चौरा पुलिस के साथ ही सीओ भी वहां पहुंचकर मामले को शांत कराने में जुट गए। लेकिन परिजन डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। इसी बीच चौरी चौरा विधायक ई. सरवन निषाद भी मौके पर पहुंचे। परिजनों को विधायक ई. सरनव निषाद और सीएचसी अधीक्षक ने कार्रवाई का आश्वासन दिया भीड़ को शांत कराते हुए सीएचसी अधीक्षक से बात की। इसके बाद सीएमओ से भी फोन पर बात कर जांच करके कार्रवाई करने के लिए कहा। हंगामे को देखते हुए पुलिस ने रात में ड्यूटी पर तैनात नर्स को हिरासत में ले लिया है। थाने लाकर उससे पूछताछ की जा रही है। सुबह 5 बजे करीब 6 घंटे तक सीएचसी पर हंगामा चलता रहा। बाद में विधायक और सीएचसी अधीक्षक ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब जाकर परिजनों ने 11 बजे के करीब महिला का शव पुलिस को पोस्टमार्टम कराने के लिए सौंपा। देवरिया जिले के एकौना थानाक्षेत्र के ग्राम बेलवा दुबौली के देव निषाद की पत्नी नीलम निषाद (28) का मायका चौरीचौरा थानाक्षेत्र के ग्राम चौरी खास में शेषनाथ निषाद के यहां है। शनिवार को नीलम प्रसव पीड़ा के बाद पति देव निषाद उसे सीएचसी चौरीचौरा लेकर आए थे। सीएचसी के डाक्टरों से नीलम का आपरेशन से प्रसव कराया। नीलम को आपरेशन से पहला लड़का पैदा हुआ। मृतका के पति देव निषाद व भाई रितेश ने डॉक्टर पर आपरेशन के बाद उपचार में लापरवाही करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रात में डॉक्टर सीएचसी पर नहीं थे। उपचार के अभाव में उसकी मौत हो गई। कार्रवाई की मांग को लेकर सुबह 5 बजे सीएचसी के बाहर शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। बताया जा रहा है कि ढेढ़ वर्ष पूर्व नीलम की शादी हुई थी। वहीं सीएचसी अधीक्षक डॉ. सर्वजीत प्रसाद ने बताया कि महिला का आपरेशन ठीक से हुआ। महिला का दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। इलाज में डॉक्टर से कोई लापरवाही नही हुई है।

लव जिहाद व धर्मांतरण के खिलाफ कानून बनाने के लिए शुरू होगी मुहिम

संवाददाता–अयोध्या। विहिप के केन्द्रीय प्रबंध समिति की पांच दिवसीय नीति निर्धारक बैठक अयोध्या में 26 से 29 जून तक होगी। देश के अलग–अलग हिस्सों में होने वाली यह बैठक अयोध्या में दूसरी बार होने जा रही है। पहली बार यह बैठक रामलला के प्राण–प्रतिष्ठा के अवसर पर हुई थी। इस बैठक की तैयारियों के लिए विहिप के अन्तर्राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद पराडे अयोध्या में बीते दो दिनों से प्रवास कर रहे हैं। इस दौरान उन्होने जिला व विभाग स्तर के पदाधिकारियों के साथ कार्ययोजना तय की और अलग–अलग व्यवस्थाओं का दायित्व सौंपा। इसके अलावा संतों से भेंटकर उनका आर्शीवाद भी लिया।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की केंद्रीय प्रबंध समिति संगठन की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है, जो विहिप की नीतियों, अभियानों और भविष्य की कार्ययोजनाओं को तय करती है। यह समिति समय–समय पर देश भर में प्रमुख बैठकों का आयोजन करती है जिसमें देश–विदेश के पदाधिकारी भाग लेते हैं। इस बार अयोध्या में आयोजित इस बैठक में देश विदेश के करीब 450 राष्ट्रीय, क्षेत्रीय व प्रांतीय पदाधिकारी शामिल होंगे। यह बैठक रामसेवक पुरम स्थित विहिप यात्री निवास में होगी।इस बैठक को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय संगठन महामंत्री पराडे ने मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में बताया कि इस बैठक में लव जिहाद व धर्मांतरण पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कानून बनाने के सम्बन्ध में आवश्यक मंथन होगा और इसके लिए देशव्यापी अभियान भी छेड़ने की योजना तय की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में देश के हर जिले व प्रखंड में सेवा कार्यों के दृष्टिगत भी योजना तय की जाएगी जिसका समाज के गरीब वंचितों को मिले। इसके अतिरिक्त विहिप के पूर्व कार्याध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भी। कार्यक्रम तय किए जाएंगे।

फिट इंडिया साइक्लोथान का आयोजन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ की ओर से सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में फिट इंडिया साइक्लोथान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने खुद साइकिल चलाकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। उनके साथ रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और खिलाड़ी भी साइक्लोथान में शामिल हुए। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित इस साइक्लोथान का उद्देश्य रेलकर्मियों और आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधियां बेहद जरूरी हैं। व्यस्त दिनचर्या के बीच भी सभी को अपने स्वास्थ्य के लिए समय निकालना चाहिए। महाप्रबंधक ने खुद साइकिल चलाकर लोगों को फिट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी बेहतर है। छोटी–छोटी आदतों में बदलाव कर लोग खुद को लंबे समय तक स्वस्थ रख सकते हैं। साइक्लोथान में पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों, कर्मचारियों और खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सभी ने साइकिल चलाकर फिट इंडिया अभियान को आगे बढ़ाने और दूसरों को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ की ओर से समय–समय पर खेल और फिटनेस से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और फिटनेस को लेकर सकारात्मक माहौल तैयार होता है।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com